समाचार

गोबर से बने दीयो से इस वर्ष रोशन होगी दीपावली

(महिला स्वसहायता समूह के सदस्य व सफाईमित्र गोबर से बना रहे ईको फ्रेडली दीये)

(निगम के एस.एल.आर.एम.सेंटरों व गोठानों में अभी तक 40 हजार दीयों का निर्माण किया जा चुका है)

कोरबा 31 अक्टूबर 2020 –गोबर से बने दीयों से इस वर्ष की दीपावली रोशन होगी। नगर निगम कोरबा के एस.एल.आर.एम.सेंटरों एवं गोठानों में महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों व सफाईमित्रों द्वारा गोबर से दीयों का निर्माण किया जा रहा है तथा अभी तक 40 हजार से अधिक रंगबिरंगे दिये उनके द्वारा बनाए जा चुके हैं। गोबर से बने दीये एक ओर जहां ईको फ्रेडली है तथा इनसे पर्यावरण को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता, वहीं दूसरी ओर सफाईमित्रों को इन दीयों के विक्रय के द्वारा अतिरिक्त आय भी अर्जित हो रही है।

छत्तीसगढ़ शासन की महती योजना गोधन न्याय योजना के अंतर्गत पशुपालकों से खरीदे गए गोबर से निगम के एस.एल.आर.एम.सेंटरों एवं गोठानों में सफाईमित्रों द्वारा गोबर के दीयों का निर्माण किया जा रहा है। सफाईमित्रों द्वारा अभी तक 40 हजार से ज्यादा गोबर से बने ईको फ्रेडली दीयों का निर्माण किया जा चुका है। गोबर से बने दीये पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इन दीयों के उपयोग के पश्चात इन्हें आसानी से गमले की मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़ती है, साथ ही दीयों के अपशिष्ट के उचित समापन की समस्या भी नहीं आती। सफाईमित्रों द्वारा डोर–टू–डोर अपशिष्ट एकत्रीकरण के दौरान गोबर से बने दीयों का प्रचार भी किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप

गोबर से बने दीयों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रही है तथा नागरिकों व गृहणियों द्वारा यह दीया बहुत पसंद किया जा रहा है। सफाईमित्रों द्वारा गोबर से बने रंगबिरंगे दीयो को 10 रूपये से लेकर 25 रूपये दर्जन तक की दर पर विक्रय किया जा रहा है। इसके साथ ही गोबर की मूर्तियां एवं अन्य वस्तुएं भी गोबर से सफाईमित्रों द्वारा बनाई जा रही हैं, इन दीयों व सामग्रियों के विक्रय से सफाईमित्रों को अतिरिक्त आय अर्जित होगी तथा उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

इन केन्द्रों पर बन रहे गोबर से दीये– गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालकों से 02 रूपये प्रति किलो की दर से गोबर का क्रय किया जा रहा है। गोबर से वर्मी कपोस्ट बनाने का कार्य भी जारी है। सफाईमित्रों तथा महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों द्वारा गोबर से दीये बनाने का अभिनव कार्य किया जा रहा है। निगम के दर्रीखार एस.एल.आर.एम.सेंटर, गोकुलनगर गोठान, पम्प हाउस गोठान, रामपुर, पोड़ीबहार, मानिकपुर, खम्हरिया, वैशालीनगर, गजरा, जमनीपाली, अयोध्यापुरी, रविशंकर शुक्लनगर, नेहरूनगर, तुलसीनगर आदि में स्थित एस.एल.आर.एम.सेंटरों में गोबर से दीये बनाए जा रहे हैं।